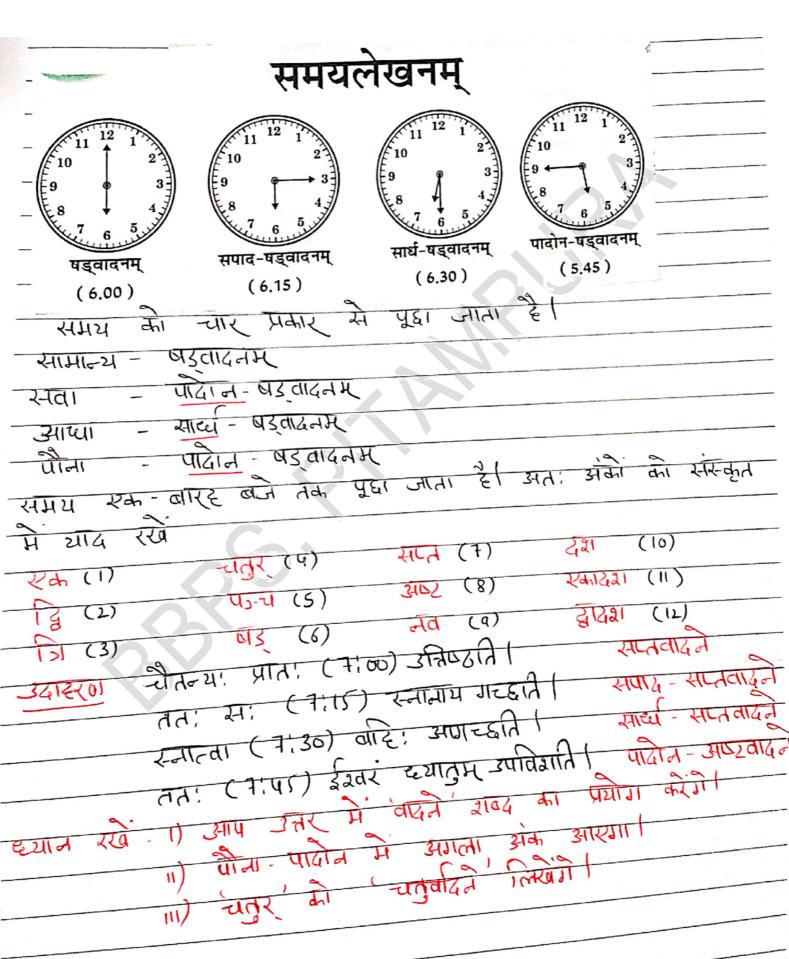


BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034 SUBJECT - SANSKRIT



प्रथम - प्रदमं समयं संस्कृतन निरवत 1) 5:45 वादने मगच्यद्भतभागस्य नवहिल्लीम् आगमनम्। वादान-षड्वारेन य 1:15 वादने हावड़ामेलस्य माजियाबादनः प्रस्थानं भविष्यति! 3) निजामुद्दीन र: 2! क वादने भाषालम्लस्य प्रस्थानं भविष्याते । 5:30 वादने पिकसिरीद्रुतभानस्य प्रस्तिनिद्दल्लीतः प्रस्थानं भविष्यति । अमेरिकादेशस्य सष्ट्रपतिः ६:15 वादने महात्मागान्यितः समीध्यस्थलं ग्रीमण्यति । सः 7:30 वादने नेहरूनारामण्डलं दूष्टुं जामक्यति सः ४: ५5 तादम भागपा-कायलियम् मामिष्यति । 7) ततः 10:00 वादने प्रस्थानमान्त्रिणः निवासस्थानं जामण्यति 8) वासु: मध्यादे 2:00 वादने मोजनं करोति। q) पः १५ वादन पठनाय उपविशाने 10) पापड वादन संस्कृतस्य कार्य कराति। 11) 1:45 वादन दीपप्रज्वालमम् 12 8, क वादन प्राथिन। 13) वादन परीक्षा-परिणामस्य काषा 91,30 14) वादन पुरस्कार-वितरणम् 10', 00 15) जलपान आवष्यात 11,00 16) सव स्वर्धि गामित्यन्ति 11:45 अहं गृहं गता विश्वामं करिण्यामि 17) 12:30 1,30 वार्ष 3८ज्ञात ग्रह्मात मरिक्ताम 18) 2: 15 वादन माजन खादिए यामि 19)

| # 5 | | | | |
|--|--|--|--|--|
| [अध्युना, सहसा, वृशा, शर्नः अपि, कुतः इतस्ततः] | | | | |
| 1) अश्चित्रा, सहसा, वृशा, शर्तः, और कुतः, इतरततः) 1) अश्चिशे अत्र अणात्य केककर्ततं कुर्मा | | | | |
| य सम्यतमाः अवकरं न हिणान्ते। | | | | |
| 21 3-1011 (111) | | | | |
| प) मुखजनाः रव आलपान्ते | | | | |
| प) मुखजनाः रव आलपान्ते । ा सार्यं न कुर्यात् । | | | | |
| 6) अहं पठामि त्वम् पठ। | | | | |
| 7) त्रिके त्वं विद्यालयम आग्रन्हास | | | | |
| | | | | |
| TV (याम्प्रतम् यादे - तिर्दे सहसा उन्ने हेमः , ३०:] | | | | |
| ा) त्वं न पिठियसि क्यम् उत्तीर्णः भविष्यसि ? | | | | |
| में देश गड़ाम बार, उगान्द्रम वाया पार मिन | | | | |
| 3) हे योहंस । वद अहं भ्रोतुं त अस्नोभि | | | | |
| | | | | |
| प) अहं ज्वरग्रस्ता आसम् | | | | |
| od दिल्लीद्वांनाय गामण्यामः | | | | |
| () य्यं कि कुभ्यं | | | | |
| | | | | |
| 🔻 [अपि, इसन्ततः , उन्चैः ,कदा , सहसा , सम्प्राते , श्रीचैः] | | | | |
| 1) वर्ने पश्चावः अभान्ते । | | | | |
| ग वर्त सिंहः व्याधः च गर्जतः | | | | |
| 1) मन्याः ओनेन्द्रम् पाप कराति। | | | | |
| प) केदापि कार्य न कर्तव्यम | | | | |
| 5) इदं चित्रं पर्यत | | | | |
| () प्राय: वृद्धाः चलान्ते । | | | | |
| | | | | |
| न) कार्यात क्यात ! | | | | |
| | | | | |

* विसर्ग सन्धि :-विसर्ग सन्यि उन्थित् पूर्ववर्णः से समाप्त हो तथा परवर्ण विसर्गि में होने वाल 022-4 914 श्रिस . केcd 3412(01 वालकां + इरहाते = वालक इरहाते अ की हाइसर शेष हात्रः + उत्थाय ८ हात्र उत्थाय सः + इट्हारी= स इट्हारी, सः + विवकः स विवकः (11) सास्यः अर की द्वार्वर श्रीप स्बर् , ०यज्यत क्तन्याः + अधारद्दान्ते - क्रन्या अधारद्दान्ते स्वर्, ०४०-जन आ; विसर्ग की खी 3cd खाः + अपतत् च खगोडपत्त्रं अ, वर्गीय ३,५,५ ;→ओ (t) 34: बालकां न स्माते : बालको हसाते वर्ज, य, र, त्र,व,ह रुष: + अवदत् र रुपाड तदत् , रम: + अपृन्दत्र् साऽपृन्दत ,⇒ओ, अ⇒ऽ (॥) सः/स्यः 34 विसर्ग की र रेत्व वास्प्रम ! + गान्तप व्याध्यमान्तप tal, asila 3,4,5, 1 → 2 अ/आ× मान! + इव्यते र मानिएवयते अन्यस्वर् थं,रं,लं,व,ह प्रात:+उत्पति । प्रात्रुत्पत्ति (11) अट्यथः स्वर् वर्गीय ३,५,५, श्री: + स्मित : श्रीनेह्सिति य, र, ल, व, द स्वसः । अ श, व, स् वालक! + चलाते! वालक्रयलाते, हात्र! + हो ते : हात्रहरी 1 -> 21 या, य, ध त्त्रभे : + द्वार्ट व्यक्तित्वारः (i) 134 मीन: + तरि = मीनस्तरित, सर्प: + सरीते : सर्पस्मर ٩, ٤, ٥ (11) 1分代 स्, त्, थ (111)

लीपर सम्टिं कुमत

| | त्याप र | | 24 |
|----|--|-----|---------------------------------------|
| 1 | देव: + आगन्दित - | 31 | रूप्येदे : + ठनठनायते |
| | राकेश: + इच्हित - | 32 | सर्वाः + च |
| | रामः + आग-८६८ - | 33 | ल वालकार की ने |
| 4 | विमलः + स्व | 309 | र सान्ट्य-द्ध्यं क्रेमत त्याला लम् |
| 5 | महिला: 4 ह्यान्त्र | 34 | aula mH |
| _ | कालिका ; र विकस्तान्ते | 35 | राशीखन्म |
| 7 | उट्वर मृतः + अवदर्भ | 36 | महोरधम् पर्यादः, |
| 8 | रुष', + अहसत | 37 | कीटोडाच |
| 9 | इत्रः + तिखति | 38 | हाजोड़ीप |
| 10 | क्षवः + गन्छति | 39 | 41107 |
| 11 | सानकः + रक्षाते | 40 | त्पावन स्वाडवदत् स्वाडवदत् |
| - | सीनेक! + रिमारी | 41 | र्भायपर् |
| 13 | मिन', + अधम | 42 | र्या द्वीप |
| 14 | तैं + मक्यत | 43 | रामाऽत्र |
| 15 | मुनि: + अच्हाते | 45 | वाता गन्धित |
| 16 | प्रातः + उत्तिष्ठाते | 10 | लाप र |
| 17 | अस्याः + धाति | 46 | कन्या हसान्ते |
| 18 | यतिः + अयम् कविः + तिखाते | 47 | Totald 1 TEEled |
| 19 | कार्वा + (लखात | 48 | हात्र उत्तिष्ठति |
| | पत्याः + गृहम | - | र्भत्व ३ |
| 20 | याची: + र्यात | 49 | निर्माया ; |
| 21 | आलुकै: + इध्यते ग्रामे: + रुक्यते ग्राम: + न्य | 50 | भातुर्व चन्नभ् विष्णाराज्ञया |
| 21 | राजी + भव्यत | 51 | विवणीराज्या |
| 23 | मावास रामः + य | +- | श्रीष्य |
| 24 | मीगाः + च | 52 | सम्तुभ्यम् |
| 25 | 21>[eal; + -4 | 53 | हरियेश ते |
| 26 | 11/311 + KIMIKIE | 54 | हाजिस्ततः |
| 27 | वालकाः + तरति | 55 | वालवेश्चलात |
| 28 | रामः + यप्रदेः | 36 | - +1/1XNIX 21 |
| 29 | राभाः + षाप्रदेः | | |
| 30 | | | |